इंदौर–खंडवा हाईवे के क्षतिग्रस्त पुल की जांच शुरू

एनएचएआई और ठेकेदार के बयानों में भारी विरोधाभास

नवभारत न्यूज़

खंडवा। इंदौर–खंडवा नेशनल हाईवे पर निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरने के मामले में जांच की प्रक्रिया तेज हो गई है। मीडिया में खबर आने के बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मामले का संज्ञान लिया और इंदौर के एसजीएसआईटीएस सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के विशेषज्ञों की टीम को मौके पर भेजा है। शुक्रवार को टीम ने क्रेन की मदद से पुल के ऊपरी और निचले हिस्से का बारीकी से निरीक्षण कर गुणवत्ता जांचने के लिए एनडीटी तकनीक से डेटा जुटाना शुरू कर दिया है। मंत्रालय स्तर से मिले जांच के निर्देशों के बाद, सीनियर प्रोफेसर मिलिंद कुमार लघाटे के नेतृत्व में टीम ग्राम बासवां के पास खिड़किया नदी पर बने इस पुल की जांच कर रही है। प्रोफेसर लघाटे के अनुसार, फिलहाल टेस्टिंग के जरिए डेटा कलेक्ट किया जा रहा है और सभी फैकल्टी सदस्यों के तर्कों के आधार पर अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पुल के स्लैब के क्षतिग्रस्त होने को लेकर एनएचएआई और ठेकेदार के बयान आपस में बिल्कुल नहीं मिल रहे हैं। एक तरफ एनएचएआई के अधिकारियों का तर्क है कि एक ओवरलोड ट्रक वहां धंस गया था, जिसे निकालने के लिए पुल की स्लैब में गड्ढा करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, निर्माण कंपनी के मैनेजर का दावा है कि स्लैब डलने के बाद उसमें हल्की दरार आ गई थी, जिसे सुधारने के लिए उस हिस्से को तोड़कर वहां दोबारा स्लैब डाली गई। इन विरोधाभासी बयानों ने निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुल की जांच के लिए इस्तेमाल किया जा रहा एनडीटी यानी अविनाशी परीक्षण एक ऐसी आधुनिक तकनीक है, जिसमें कंक्रीट को तोड़े या हथौड़ा चलाए बिना ही संरचना की मजबूती का पता लगाया जाता है। यह ठीक उसी तरह काम करता है जैसे डॉक्टर शरीर के अंदरूनी हिस्सों की जांच के लिए बिना चीर–फाड़ किए एक्स–रे या सीटी स्कैन का इस्तेमाल करते हैं।

गौरतलब है कि करीब दो हफ्ते पहले जब ब्रिज का कंक्रीट गिरा था, तब वहां एक बड़ा गड्ढा बन गया था। इस दौरान यह बात सामने आई थी कि ब्रिज की स्लैब बनाने में महज 10 एमएम मोटाई के सरिये और सिर्फ चार इंच कंक्रीट का इस्तेमाल किया गया था, जो इतनी बड़ी और अहम परियोजना के लिए नाकाफी माना जा रहा है।

आपको बता दें कि भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे 203 किलोमीटर लंबे इंदौर–एदलाबाद नेशनल हाईवे की कुल लागत लगभग 3900 करोड़ रुपए है। जिस धनगांव से बलवाड़ा प्रोजेक्ट (40 किलोमीटर) में यह पुल धंसा है, उसकी लागत 1001.69 करोड़ रुपए है। इस हिस्से का मुख्य ठेका जीएचवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पास है, जिसने इसे आगे पेटी कॉन्ट्रैक्ट पर दे दिया है। इसके तहत नर्मदा नदी पर ब्रिज का निर्माण मंगलम बिल्डकॉन और सड़क तथा अन्य ब्रिज निर्माण का काम नागपुर की केदारेश्वर कंपनी कर रही है।

जिम्मेदार बोल...

इंडिपेंडेंट टेस्टिंग के लिए सीएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज से एक टीम बुलाई गई थी। टीम ने अपना टेस्ट कर लिया है और अब उनकी रिपोर्ट आएगी। उस रिपोर्ट के आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।– **अधिकारी की जानकारी आशीष बिरला, प्रोजेक्ट डायरेक्टर**

मरम्मत के बाद दोबारा खुला ममलेश्वर झूला पुल, दो दिन बाद मिली राहत

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। नर्मदा नदी पर स्थित ममलेश्वर झूला पुल (हैंगिंग ब्रिज) दो दिन बंद रहने के बाद शुक्रवार को श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए फिर से खोल दिया गया। पुल के एक महत्वपूर्ण हुक के क्षतिग्रस्त होने के बाद एहतियात के तौर पर इसे तत्काल बंद कर दिया गया था। एनएचडीसी और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य करते हुए टूटे हुए हुक को बदल दिया और पुल की आवश्यक तकनीकी जांच पूरी की। सभी सुरक्षा मानकों पर पुल के सुरक्षित पाए जाने के बाद शुक्रवार से पैदल आवागमन फिर शुरू कर दिया गया। प्रशासन की योजना के अनुसार पुल गुरुवार

को ही खोल दिया जाना था, लेकिन लगातार बारिश और फिसलन के कारण सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निर्णय एक दिन के लिए टाल दिया गया। शुक्रवार को मौसम अनुकूल होने और अंतिम निरीक्षण पूरा होने के बाद पुल को आमजन के लिए खोलने की अनुमति दी गई। झूला पुल बंद रहने से पिछले दो दिनों में श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और नाविकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों को दूसरे लंबे मार्गों से आवागमन करना पड़ा, जिससे समय और दूरी दोनों बढ़ गए थे। पुल खुलने से क्षेत्र में सामान्य आवागमन बहाल हो गया है और सभी ने राहत की सांस ली है। बारिश के मौसम और आगामी धार्मिक आयोजनों को देखते हुए प्रशासन ने पुल की नियमित तकनीकी जांच कराने का निर्णय लिया है। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि पुल पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें।

राठौर समाज में युवा संगठन की नियुक्तियों से ट्रस्ट ने किया किनारा

अध्यक्ष दीपू राठौर बोले– न बैठक हुई, न मंजूरी नियुक्तियों से ट्रस्ट का कोई संबंध नहीं

नवभारत न्यूज़

खंडवा। राठौर समाज जिला युवा संगठन द्वारा 24 जून को आयोजित नवीन कार्यकारिणी गठन एवं समाज मिलन समारोह को लेकर राठौर समाज में विवाद गहरा गया है। राठौर सकल पंच ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपू राठौर ने स्पष्ट किया है कि इस कार्यक्रम और इसमें की जा रही नियुक्तियों से ट्रस्ट का कोई संबंध नहीं है। दीपू राठौर ने कहा कि इन नियुक्तियों के लिए न तो ट्रस्ट की कोई बैठक हुई और न ही किसी ट्रस्टी की सहमति ली गई।

उनके अनुसार यह पूरी प्रक्रिया स्वयंभू है और ट्रस्ट इसकी जिम्मेदारी नहीं लेता। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल होगा, वह अपनी जिम्मेदारी पर जाएगा। विवाद उस आमंत्रण पत्र के बाद शुरू हुआ, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें 24 जून को रामनगर स्थित शुभ परिसर में नई कार्यकारिणी गठन का कार्यक्रम घोषित किया गया था।

आमंत्रण पत्र में गोविंद प्रसाद राठौड़, शंभू दयाल राठौड़ और कमलेश राठौड़ के नाम निवेदक के रूप में दर्ज हैं।ट्रस्ट अध्यक्ष के बयान के बाद समाज में दो गुट बनने की चर्चा तेज हो गई है। एक पक्ष इस आयोजन को समाज हित का कदम बता रहा है, जबकि ट्रस्ट इसे नियमों के विरुद्ध और बिना अधिकृत मंजूरी का आयोजन मान रहा है।समाज के वरिष्ठ लोगों का कहना है कि किसी भी सामाजिक इकाई की कार्यकारिणी गठन के लिए राठौर सकल पंच ट्रस्ट की आमसभा या बैठक में प्रस्ताव पारित होना आवश्यक होता है। बिना ट्रस्ट की स्वीकृति गठित कार्यकारिणी की वैधता पर सवाल उठ सकते हैं।फिलहाल इस पूरे विवाद पर आयोजनकर्ता पक्ष की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

67 की उम्र, अटूट आस्था... :

साइकिल से 12 ज्योतिर्लिंग और चारधाम की यात्रा पर नरेंद्र कसेरा

नवभारत न्यूज़

ओंकारेश्वर। इंदौर के आदर्श इंदिरा नगर निवासी 67 वर्षीय नरेंद्र कसेरा श्रद्धा, संकल्प और साहस का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए साइकिल से दो वर्ष की अखिल भारतीय धार्मिक यात्रा पर निकले हैं। उनकी इस आध्यात्मिक यात्रा का पहला पड़ाव ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग है, जबकि समापन उज्जैन के महाकालेश्वर में होगा। यात्रा के दौरान वे देश के 12 ज्योतिर्लिंग, चारधाम, परली वैजनाथ, अयोध्या, जगन्नाथपुरी, तिरुपति बालाजी, पद्मनाभस्वामी मंदिर सहित नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे। नरेंद्र कसेरा की साइकिल भी उनकी आस्था का प्रतीक है। उस पर भोलेनाथ का ध्वज, तुलसी और बेलपत्र के पौधे, मां नर्मदा की प्रतिमा, नर्मदेश्वर तथा चंद्रमौलेश्वर शिवलिंग स्थापित हैं। वे जहां भी रुकते हैं, सबसे पहले पूजा–अर्चना करते हैं। रात्रि विश्राम के लिए मंदिर, आश्रम, टोल प्लाजा या पेट्रोल पंप जैसी सुरक्षित जगहों का चयन करते हैं।

यह उनकी पहली लंबी यात्रा नहीं है। इससे पहले भी वे 14 माह की साइकिल तीर्थयात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर चुके हैं। उनकी वर्तमान यात्रा लगभग दो वर्षों में पूर्ण होगी। नरेंद्र कसेरा का संदेश है कि यदि मन में दृढ़ संकल्प, अटूट आस्था और ईश्वर पर अटूट विश्वास हो, तो उम्र कभी भी मंजिल तक पहुंचने में बाधा नहीं बनती।

मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर महापौर ने ली अहम बैठक

नवभारत न्यूज़

खंडवा। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए खंडवा नगर निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। शहर में जलभराव की स्थिति को रोकने और नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव की अध्यक्षता में तकनीकी, स्वास्थ्य और राजस्व विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य फोकस शहर को जलभराव मुक्त और सुरक्षित बनाए रखने की कार्ययोजना तैयार करने पर रहा। बैठक में महापौर ने स्पष्ट किया कि निगम का उद्देश्य केवल समस्याओं का समाधान करना नहीं, बल्कि उन्हें उत्पन्न होने से पहले ही रोकना है। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि शहर के सभी प्रमुख नालों, छोटी नालियों और जल निकासी मार्गों की साफ–सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए। इसके साथ ही, जिन इलाकों में पिछले वर्षों के दौरान जलभराव की समस्या रही है, वहां विशेष निगरानी रखते हुए समय रहते पुख्ता इंतज़ाम सुनिश्चित किए जाएं।

किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए महापौर ने निगम की सभी टीमों को वर्षाकाल के दौरान 24 घंटे अलर्ट और सक्रिय रहने को कहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि वे स्वच्छता व्यवस्था पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करें और जलजनित एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाएं। इसके अलावा, सभी वार्डों का नियमित निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और नागरिकों द्वारा की जाने वाली शिकायतों का तुरंत समाधान करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में निगम आयुक्त प्रियंका सिंह राजावत, कार्यपालन यंत्री राधेश्याम उपाध्याय, सहायक यंत्री गोपाल सिंह चौहान, संजय शुक्ला एवं भूपेंद्र सिंह बिसेन, उपयंत्री भरत सुरजाए, मनीष झीले, प्रशांत पंचौरे एवं अशोक तारे उपस्थित रहे। इनके अलावा झोन प्रभारी तथा राजस्व अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के समापन पर महापौर अमृता अमर यादव ने सभी अधिकारियों को पूर्ण गंभीरता, जवाबदेही और आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मानसून पूर्व की सभी व्यवस्थाओं को समय पर मुकम्मल करने के सख्त निर्देश दिए।

नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता–महापौर

शहरवासियों की सुरक्षा, सुविधा एवं स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्षा ऋतु में जलभराव, गंदगी अथवा अन्य समस्याओं से नागरिकों को राहत मिले, इसके लिए नगर निगम द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। खंडवा शहर को स्वच्छ, सुरक्षित एवं जलभराव मुक्त बनाए रखने के लिए हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को सूचना देना अनिवार्य

खंडवा। भवन या निर्माण कार्य को शुरू करने से कम से कम 30 दिन पहले श्रम विभाग को सूचना देना अनिवार्य है। इसके लिए नियोजकों को एमपीबीओसीडब्ल्यू के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से निर्माण स्थल का विवरण उपलब्ध कराना होगा। श्रम विभाग ने बताया कि निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए 'श्रम सेवा पोर्टल' मोबाइल ऐप के जरिए निर्माण स्थल, कर्मचारियों की संख्या और अन्य आवश्यक जानकारी दर्ज की जा रही है। विभाग के अनुसार, पूर्व सूचना नहीं देने पर इसे अधिनियम का उल्लंघन माना जाएगा। ऐसे मामलों में नियोजक के खिलाफ तीन माह तक के कारावास, दो हजार रुपये तक के जुर्माने या दोनों का प्रावधान है। विभाग ने सभी निर्माण एजेंसियों और संबंधित विभागों को भी निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को सूचना देने के निर्देश दिए हैं।इसके अलावा आम नागरिक भी बिना सूचना चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी 'श्रम प्रहरी' टोल–फ्री नंबर 1800–233–8888 पर देकर श्रम विभाग की मदद कर सकते हैं।

डिजिटल प्रशिक्षण के लिए भाजपा के 25 जिला पदाधिकारी चयनित

खंडवा। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक सशक्तिकरण अभियान के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान (डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म) के लिए खंडवा जिले के 25 पदाधिकारियों का चयन किया गया है। चयनित पदाधिकारियों को डिजिटल माध्यम से संगठन की कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जारी सूची में जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर सहित जिला उपाध्यक्ष नंदन करोड़ी, प्रियांशु चौरे, तपन डोंगरे, जिला महामंत्री धर्मेंद्र बजाज, जिला मंत्री, कोषाध्यक्ष, कार्यालय मंत्री, सह कार्यालय मंत्री, जिला मीडिया प्रभारी, आईटी विभाग जिला संयोजक और सोशल मीडिया विभाग के जिला संयोजक को शामिल किया गया है। उसके अलावा प्रमुख पदाधिकारियों में द्य जिला मीडिया प्रभारी मंगलेश सिंह तोमर, आईटी विभाग जिला संयोजक श्रृंगी उपाध्याय तथा सोशल मीडिया विभाग के जिला संयोजक हिमांशु राज सहित कुल 25 पदाधिकारी शामिल हैं। भाजपा संगठन का कहना है कि इस डिजिटल प्रशिक्षण से पदाधिकारी आधुनिक तकनीक का बेहतर उपयोग कर संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तेज गति से संचालित कर सकेंगे।

मंत्री शाह ने ई–लाइब्रेरी निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज़

खंडवा। प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर के समीप निर्माणाधीन ई–लाइब्रेरी भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित एजेंसी को गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कहा कि यह ई–लाइब्रेरी युवाओं के लिए आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। इसके शुरू होने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे और उनके ज्ञानवर्धन में भी मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा ई–लाइब्रेरी भवन के निर्माण के लिए 2.15 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अवसर पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ नागार्जुन बी गौड़ा, पीआईयू के कार्यपालन यंत्री एसके त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आस्था मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना

राज्यमंत्री राधा सिंह ने किए ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन

नवभारत न्यूज़

खंडवा। प्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह ने मंगलवार को अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान ओंकारेश्वर पहुंचकर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से आगामी सिंहस्थ–2028 को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर और उसके आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती सिंह के इस ओंकारेश्वर भ्रमण के दौरान जनपद पंचायत पुनासा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक त्रिवेदी और ग्रामीण विकास विभाग की सहायक यंत्री लक्ष्मी शाक्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।